

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे की आवश्यकता

प्रलम्ब के लिये:

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, [इजरायल-फलिसितीन](#)

मेन्स के लिये:

सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन, सुरक्षा बल तथा उनका अधिदेश, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड

[स्रोत: द हद्दि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [इजरायल](#) में हुए हमले के मद्देनजर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड नदिशक ने चरम आतंकवादी परदृश्यों के लिये संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे के नरिमाण के महत्त्व पर ज़ोर दिया है।

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे की आवश्यकता:

■ अप्रत्याशति खतरों के लिये तैयारी:

- चरम आतंकवादी परदृश्य अक्सर कम चेतावनी के साथ सामने आते हैं, जिसके लिये एक अच्छी तरह से परिभाषित तैयारी रणनीतिकी आवश्यकता होती है।
- एक संकट प्रबंधन ढाँचा यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारी अप्रत्याशति सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिये सुसज्जित हैं।
 - आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिये संघीय और राज्य दोनों स्तरों पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय महत्त्वपूर्ण है।
- यह ढाँचा संकट के दौरान सहयोग और संचार के लिये स्पष्ट प्रोटोकॉल स्थापित करेगा।

■ प्रभाव का शमन:

- तीव्र और अच्छी तरह से समन्वित प्रतिक्रियाएँ आतंकवादी घटनाओं के प्रभाव को काफी हद तक कम करने के साथ ही हताहतों की संख्या और क्षति में कमी ला सकती है।
- एक संरचित संकट प्रबंधन ढाँचा शमन रणनीतियों को लेकर मार्गदर्शन प्रदान करता है।

■ महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा:

- आतंकवादी प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हुए महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को नशाना बनाते हैं।
 - रूपरेखा में संकट के दौरान महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की रक्षा के उपायों को शामिल किया जाना चाहिये, अंततः चरम आतंकवादी परदृश्यों का व्यापक रूप से शमन करके राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाया जाना चाहिये।
 - यह देश के सुरक्षा ढाँचे का एक महत्त्वपूर्ण घटक होगा, जो उभरते खतरों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता सुनिश्चित करेगा।

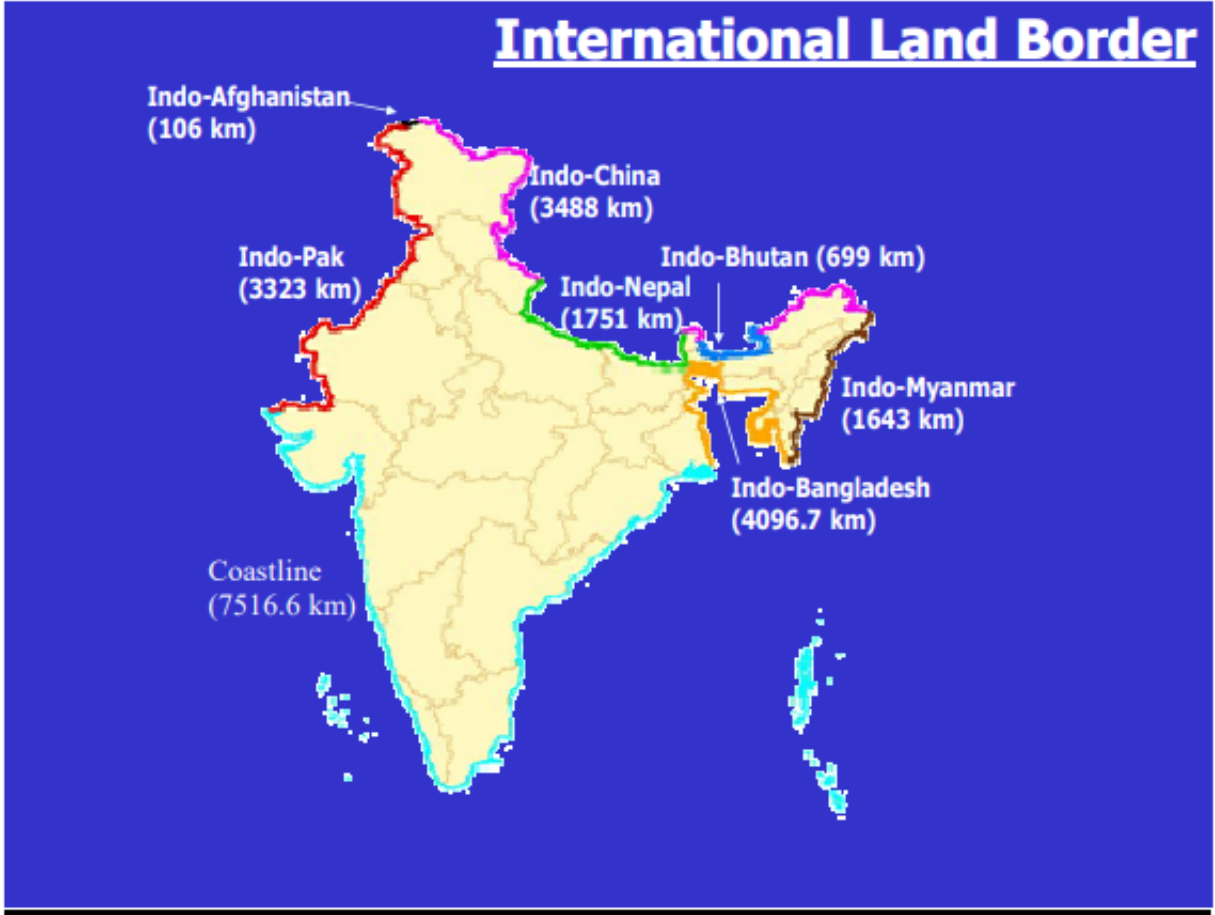
■ आतंकवाद वरिधी क्षमताओं को बढ़ावा:

- यह रूपरेखा आतंकवाद वरिधी प्रयासों में शामिल कर्मियों के लिये नरितर प्रशिक्षण और कौशल विकास को प्रोत्साहित करती है।
 - कौशल और क्षमताओं में नरितर नविश यह सुनिश्चित करता है कि प्रतिक्रियादाता अपनी कला में सबसे अग्रणी रहें।
- ढाँचे उन्नत प्रौद्योगिकी और उच्च कृशल कर्मियों के बीच तालमेल सुनिश्चित करता हो। हालाँकि यह व्यक्तियों तथा हथियारों का संयोजन है जो तकनीकी प्रगतिके बावजूद अंततः नरिणायक अंतर उत्पन्न करता है।

■ सीमा सुरक्षा चुनौतियाँ:

- दक्षिणी एशिया में अपने बड़े भूभाग एवं रणनीतिक स्थितिके कारण भारत को गंभीर सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ता है।
 - अपने विशाल विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) तथा 7,683 कमी. लंबी तटरेखा के कारण भारत में उच्च समुद्री सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।
 - भारत चीन तथा पाकस्तान के साथ चुनौतीपूर्ण सीमाओं सहित सात अन्य देशों के साथ 15,000 कमी. से अधिक क्षेत्रफल की भूमि सीमा साझा करता है, इसलिये इसकी सुरक्षा हेतु प्रभावी सीमा प्रबंधन की मांग सर्वोपरि है।
 - प्रतिकूल/चुनौतीपूर्ण भूभाग तथा कमज़ोर सीमाएँ सुरक्षा प्रबंधन को और अधिक कठिन बना देते हैं। जिससे सीमा पार आतंकवाद,

- आतंकवादी घुसपैठ तथा गैर-राजकीय कर्ताओं (Non-State Actors) के उदय की समस्या उत्पन्न हो सकती है ।
- उपर्युक्त चुनौतियों एक व्यापक राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता को उजागर करती हैं ।



राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG):

परिचय:

- NSG संघीय आक्रामक तैनाती बल है जो अपहरण वरिधी ऑपरेशनों, बचाव संबंधी ऑपरेशनों तथा देश के वभिन्न हस्सिों में कसिी भी रूप में घटति आतंकवादी गतविधियों से लड़ने के लयि केंद्रीय अर्द्धसैनिकि बलों को सहयोग करता है ।
- NSG को वशिष परसिथतियों से नपिटने के लयि वशिष रूप से सुसज्जति और प्रशक्ति कयिा जाता है । अतः इसका उपयोग वशिष परसिथतियों में ही कयिा जाता है ।
- NSG औपचारकि रूप से वर्ष 1986 में संसद के एक अधनियिम- 'राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अधनियिम, 1986' द्वारा अस्तत्वि में आया ।

वज़िन:

- एक वशिष स्तरीय अतसिक्षम बल का गठन ।

मशिन:

- "सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा" के अपने आदर्श वाक्य के अनुरूप आतंकवाद का त्वरति व प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सक्षम एक वशिष बल को प्रशक्ति करना, आवश्यक संसाधनों से संपन्न करना और हमेशा तैयार रखना ।

कार्यप्रणाली:

- यह गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है और एक कार्य-उन्मुख बल है जिसके दो पूरक तत्त्व हैं:
 - NSG का प्रमुख आक्रामक अथवा स्ट्राइक वगि, जसिे वशिष कार्रवाई समूह (SAG) कहा जाता है, में सेना के जवान शामिल होते हैं ।
 - वशिष रेंजर समूह (SRG), इसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलसि बलों/राज्य पुलसि बलों से चुने गए कर्मी शामिल हैं । वे आमतौर पर VIPs की सुरक्षा का कार्यभार संभालते हैं ।
 - NSG के प्रमुख को महानदिशक के रूप में नामति कयिा जाता है, इसका चयन और नयुक्ति गृह मंत्री द्वारा की जाती है ।

कयि गए ऑपरेशन्स:

- ऑपरेशन ब्लैक थंडर (स्वर्ण मंदिर, अमृतसर, वर्ष 1986 और 1988) ।
- ऑपरेशन अश्वमेध (इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट- IC427 हाईजैक मामला, भारत, वर्ष 1993) ।
- ऑपरेशन थंडरबोल्ट या वज्र शक्ति (अक्षरधाम मंदिर हमला, गुजरात, वर्ष 2002) ।
- ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो (मुंबई ब्लास्ट, वर्ष 2008) ।

- ऑपरेशन धांगू सुरक्षा, पठानकोट, वर्ष 2016 ।
- NSG मुख्यालय: मानेसर, गुरुग्राम ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/need-for-a-national-crisis-management-response-framework>

